क्र.न.१८

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ४/१/[illegible]३ (४६४)

ग्रंथ नाम उ[illegible] कथा.

विषय म० कथा पुराणे

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

२३६—

७८—

अनं[illegible]ध्या:

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(1)

॥ श्री गणेशायं नमः ॥ अथ अनंतव्रत कथा लिख्यते ॥
॥ जन्मेजय पेसले आपण : हे आवडे चातन ॥ पाई कृ ॥
॥ ष्ण कथा रसाळ पण : वैसंपायन सांगेन ॥ १ ॥
॥ अनंता श्री कृष्ण येईल [illegible] व्रत उपदेश ॥ ते ॥
॥ कथा ऐकता निर्पळ [illegible] मा भि सुदास ॥ २ ॥
॥ वणवासी पाउव व्रत स : पावले हि पाउव दुःखित ॥
॥ ऐसा वेरकोनि लाशिंत : श्री कृष्ण नाथ सा भाग्य पाते ॥
॥ ३ ॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

१२ ॥ द्वार केला बेदरखिळे: सिद्ध उठोनि उभे ठाकले ॥ अनं ॥
॥ दे निर्भये जाहाले: मग्न माजी ॥ ११ ॥ मग देवा चिया ॥
॥१॥ ॥ चे पदीं नले: साष्टांगे न [illegible] सनिपात केले ॥ मग दे ॥ १२४
॥ वा ते असानि बैसाविले [illegible] नापरि आर्चिले वरि च ॥
॥ ५१ ॥ धर्मसमेल हानिके रीत: [illegible] दुःखाच्या चोखवसा ॥
॥ सुरसपावि जे ऐसा: उपायें सांगा मज ॥ ५२ ॥ तव बहुसा ॥
॥ नाथ बोलिले: अनंतव्रत करिल हिंजा ॥ पाव सि ॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(2A)

॥ अथ किं तोः राज्यसुख ॥ ७ ॥ हे रत्न भाऊ परमासि ॥
॥ किजे अहूप सिच तई । सिसी ॥ येऐ रवीपुर फासि ॥
॥ होयेपरचं ॥ ८ ॥ येके [illegible] पसु: कशितिष्ठते ॥
॥ दानेतिर्थे । तेपाव [illegible] ते: येश कुरूच ॥
॥ उरले ॥ ९ ॥ जिवे भावे करि व्रते पुन्ये: तो हो ॥
॥ येरे वासि मांन्ये ॥ तयाचे जिविच चंन्ये ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(3)

॥ति क्रिडो ह्रिपे ॥१०॥ च मजे अवेस्च रिः जेव ॥

॥२॥ ॥ चनार्ध क्र रि॥ तोबो व्हि जे संव सा रिः माहाप॥

॥श्र॥११॥ आताजु सि [illegible] नेः श्रतक रानीमं॥

॥ चपने ॥ ई छी जेफ जेप [illegible] इ तेने ः ऐसे निध्यात॥ ॥२॥

॥ ज्ञाणापे ॥१२॥ तचपु [illegible] नसेपाथः क्रस्थावच्च॥

॥ स्तो अनंत ॥ देवह्मऐ तो विख्यातः तोचिमीअ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥सेंपे॥१३॥ हे समस्तांसि कृपाचे : आनिकोहि श्री॥

॥हि क्रोदेव॥ हे चराचरे अवघे मासे रूपासि॥

॥पे॥१४॥ ऐसे साविस्त[illegible] मी अनंतु : पार्थी ज्या॥

॥नासिली म्हणा तु॥ घेर [illegible] ऊस कैस : नाकारे॥

॥वतो चिपे॥१५॥ मग धर्मी विना चिंते पुर्बिको॥

॥ने श्रीत अनुष्ठान केले : ॥म्हणे लोकी विस्तारले॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

२ ॥ ॥ जे सांगे देवा जु ॥ १६ ॥ मग बोलिला कृष्णनाथ । ॥ ३ ॥
॥ पुर्वि वसीष्ठ गोत्री विख्यात ॥ सं भुज द्विज सुमंत ।
॥ कृतायु जे ॥ १७ ॥ ते [illegible] र तस्तु ताः प निलिके ।
॥ होति विख्यात ॥ [illegible] ॥ स्वज्ञानाचद्दु हि ता ॥
॥ जाणि होती ॥ १८ ॥ [illegible] ये कन्ये माऊलि: काचे
॥ ये परत्रोक्षा गेलि ॥ मग सुमंते जननि भाषि ।

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(९A)

॥ केति: कर्कशानामतियेचे ॥१५॥ मगतीसरी॥

॥ आदु हिता: पीच गद्य हि पतेन ॥ ग हसंगा ॥

॥ शी तिन्चीचं: नाना प्र ॥२०॥ ईनष्यासम ॥

॥ ई सुमंतु पिता: द स विष्य संयोग सुना ॥

॥ मले कवणादे उचीता: करिताजाचानो व्हि ॥

॥ पे ॥२१॥ मगतोपपुत्रा विचारि: तवकौ ॥

" Joint project of Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(5)

॥फु सुरेख वठोढारि॥ स्त्र मंजु उट कस्त्रस्फु॥

॥कहि। मग रचाग नकेले॥२२॥ मग सुमं॥

॥तेपुसो अदरले॥ ... का यी ये नेकेले॥

॥तवयेरु ह्मणे ... जैं ... अवले: अवको॥

॥व्यासो॥२३॥ येरु म लि अनंद ना: न्वि॥

॥नास ह्मा ई खु मा॥ निजाग॥ वाचा नि श्च॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(5A)

॥ योद्धिचक्रां: कचंउन्यास्ति ॥२४॥ मगाधि॥
॥ चा हो समारं भ मेठाअनि: कगनका धि॥
॥ केश्रुधद्रि नि॥ [illegible] कमाजक्रिरानि:॥
॥ च्याक्रीद्रीचसउ [illegible] के ॥२५॥ चचव्या॥
॥ द्रिचस्ति ज्ञपरा चवेको: कवउन्येचउय्या॥
॥ क्रमक्ररे ॥ मजज्ञक्रमा॥ निचाके: वधुव॥

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(6)

॥२ते तैपे ॥२५॥ सएककसेतोसुमंजुः काहि अ॥

॥६न्वदेतुलरितु॥ संतोषेकमला अतु॥

॥कुन्यमुनि॥२७॥ [illegible] रे कोनिचचने॥

॥कोधेउटवि [illegible] न्तो॥ तीयेपेटा॥

॥चेउनिः बोका [illegible] न्तीकइ तिजाहा॥

॥नि॥२८॥ चहुद्विवसिकेरिहिः॥

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(6A)

॥सांचा कि हो ति स्वर ब द्रि: ज्य नि मा द्रि या॥
॥कोर द्री: सा च के होते चरा त ॥२०॥ ति हि॥
॥हो रि दि च्य ति: [illegible] चरा सी ति ये वे ध्वि॥
॥म जा नि च ति [illegible] हा ति: त ये दो॥
॥ चे ॥३०॥ म ज [illegible] चयाते ज्य द्वा पु सि॥
॥ते: म गर थि दो चे वे ई सी ति॥ अस्र॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(७)

॥मासि निघातेजाहाळि॥२थासहितूप

॥३१५॥ ओहोसिळाये बाळि॥तेकवतुके गंगा॥

॥न्याहाळि॥तवते देखतेजाळि॥स्थि

॥याचासमुदाय ॥तव याअयसंशि॥

॥मानाधियेतादेखतं ॥प्रणोनिजव॥

॥निकअधु घाहिलि॥हरिकथानिवा॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. [illegible]

॥रि लि: ब्राई केल्हणोनिया ॥३३॥ नव॥
॥सावे क्रियेउ नि:ग्निजो : स्वाश्रागीनम॥
॥स्कार केला ॥ येरि ... यी देखोनि धरू दि॥
॥धला : मागम ... ती येसि ॥३४॥
॥वब्रह्मरसेसरसीला ... मग तरि मज सातान॥
॥क्रलामासि विनंति आहे सेक्रला : ॥

(४)

॥हे ब्रत मज उपदेसावे ॥३४॥ स्त्रिया ल ए ति॥
॥कुमारि: हे ब्रतत्व करि जे सारो वरी: व सं॥
॥ताये मुला तिरी: प[illegible]रु असे पे ॥३६॥ ऐ।
॥से या तु ज मान[illegible] विरता गावा ब्रत॥
॥वसा॥ तब ये कि लनाति उपदेसा: कपा॥
॥करौ निया ॥३५॥ तारि परी सा वो रु षि कु॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(8A)

॥मारी: उंक्तिजे पाडु सुताचे द्वारी॥ चौदा गांठिच्या
॥न ह्रि तिशी: अनंत करु निपुजावा ॥ ३८॥ उकुमे ॥
॥तो ताम्र कलशाचा: उ[illegible] अनंत पुजावा ॥ पुर ॥
॥फान्या माग्वाचुर या[illegible]ा: उपहारू पैतो ॥ ३९॥
॥अर्घ विप्रासी द्यावे: अर्घ भोजन न करावे: ॥
॥अनंतु बांध्यावे: दक्षणा करी ॥ ४०॥ अनंत कथा ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१)

॥ऐकाचि: आसणासी प्रचुरदक्षणा स्पाचि॥ ऐसेपु॥

॥जाकूरावि: प्रतिवस्तु बिमा॥ इतस्विकारु॥

॥निबाधि: अवि[illegible] मंगळी॥ तवची ची॥

॥च्यपद्दिदे रयिवौं॥ [illegible] प्रसादे॥४२॥ तेसिदो

॥पल्कवानजाद्धि: ततक्षणि संवर्जीवतलेजाद्धि॥

॥तेकरहस्तागाद्धि: सार्वव्यापारपे॥४३॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१७)

॥ नचघ अश्रमा आदिकैः मगध्धवूठ म्रा गहे नि॥

॥ पजै किः गोर थ चन धान्ये दे रिपि किः ज्यसं॥

॥ रव्याल ॥ ॥ रे [illegible] श्री राज्ये पाच किः अनं॥

॥ देनि भईज्या कि [illegible] से माजिरा हि किं ३॥

॥ अ्म ॥ पाठिये अश्रमा ॥ २ ॥ मग कोले येके॥

॥ येचे. दोघे वैसा ते होमशाको ॥ लेथे अवधि॥

" Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

॥ नटस्साद्धे: तेप रि येसा ॥४ चाळवडन्य ॥
॥ सिकै चेक रि: ज्याकं कारापुडे देरच किे ॥
॥ दो रि ॥ तेको घे [illegible] नै वैभ्यान रि: ॥
॥ धा त्व्हे कें डि ॥ [illegible] चेचे तें हे ठाका रि ताः ॥
॥ हात घान को कु डाता [illegible] काइन चेत न्वाज्यनतः ॥
॥ घ्यानन्वा सिर हाराम धे ॥ ४८ ॥ कोज न्यदवा ॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com